पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

गढ़ गंगा मेले में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगभग 40 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगायी

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी से अयोध्या और प्रयागराज से नैमिषारण्य तक लगभग 30 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया

अमरोहा में राजकीय गंगा मेला तिगरी–2026 में 15 से 24 नवम्बर, 2026 के मध्य लगभग 44 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

तीर्थराज प्रयागराज में सर्वाधिक करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगायी

धर्मनगरी काशी में लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया

रामनगरी अयोध्या में करीब 05 लाख श्रद्धालुओं ने सरयू में आस्था की डुबकी लगायी

रायबरेली के डलमऊ में करीब 02 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया

सीतापुर के पौराणिक तीर्थ नैमिषारण्य में लगभग 02 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया

लखनऊ : 24 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश सरकार में तीर्थस्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को मिल रहे प्रोत्साहन के बीच कार्तिक पूर्णिमा पर प्रदेश के प्रमुख तीर्थों में आस्था का महासंगम देखने को मिला। काशी से अयोध्या और प्रयागराज से नैमिषारण्य तक लगभग 30 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। प्रातःकाल से ही गंगा और सरयू के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। हर–हर गंगे और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने स्नान, पूजा–अर्चना और दान–पुण्य किया। घाटों पर उमड़ा जनसैलाब सनातन संस्कृति और धार्मिक परम्पराओं के प्रति लोगों की गहरी आस्था का साक्षी बना।

गढ़ गंगा मेले में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगभग 40 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। अमरोहा में राजकीय गंगा मेला तिगरी–2026 में 15 से 24 नवम्बर, 2026 के मध्य लगभग 44 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के उपरान्त श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में दर्शन–पूजन किया। दशाश्वमेध, अस्सी, राजेन्द्र प्रसाद, पंचगंगा, केदार, ललिता और नमो घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर सुबह से ही स्नानार्थियों की भारी भीड़ रही। देव दीपावली की परम्परा से जुड़ी काशी में दिनभर उत्सव जैसा वातावरण रहा।

कार्तिक पूर्णिमा पर तीर्थराज प्रयागराज में सर्वाधिक करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगायी। श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना और दान–पुण्य कर मंगलकामना की। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ घाटों पर धार्मिक अनुष्ठान हुए। नये अरैल घाट स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प में 51,000 और बलुआ घाट पर 01 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। लेटे हनुमान मन्दिर के सामने जगदीश रैम्प पर 21,000 दीपों का प्रज्वलन किया गया।

रामनगरी अयोध्या में करीब 05 लाख श्रद्धालुओं ने सरयू में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मन्दिरों में दर्शन–पूजन किया। रायबरेली के डलमऊ में करीब 02 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूजा–अर्चना और दान–पुण्य किया। सीतापुर के पौराणिक तीर्थ नैमिषारण्य में भी लगभग 02 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान किए। सभी तीर्थस्थलों पर सुबह से श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

जनपद फर्रुखाबाद के शमशाबाद स्थित ढाई घाट गंगा घाट पर लगभग 01 लाख, जनपद कानपुर के बिठूर स्थित ब्रह्मावर्त घाट पर लगभग 1.5 लाख तथा कानपुर शहर स्थित सरसैया घाट पर लगभग 50,000 श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया।

बाँदा के विश्वप्रसिद्ध कालिंजर दुर्ग में कार्तिक पूर्णिमा पर पाँच दिवसीय ऐतिहासिक मेले का शुभारम्भ हुआ। चन्देलकालीन विरासत, त्रिस्तरीय प्राचीरों और अद्वितीय स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध इस दुर्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान नीलकण्ठेश्वर, माता पार्वती और भगवान कार्तिकेय का पूजन किया।

————————

PN-Kartik Poornima Snaan-24 November, 2026